



भारत का गज़त्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 125]

नई दिल्ली वृहस्पतिवार, जून 22, 1978/आषाढ़ 1, 1900

No. 125] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 22, 1978/ASHADHA 1, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकाशन की रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

आशात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 41-आई टी सी (पी एन)/78

नई दिल्ली, 22 जून, 1978

चित्रण : सहकारी समितियों/वास्तविक उपयोक्ताओं के संघी द्वारा खुले सामान्य साहारेस के अंतर्गत अनुमेय सेलुलोजीय/पैर-सेलुलोजीय रेजे/धार्ग का आयात।

सं. आई शी. शी/63/36/78.—वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन) 78 विनांक 15 मई, 1978 की ओर द्वारा आकृष्ट किया जाता है जिसमें 1978-79 की आयात-निर्माता कियाविधि पुस्तक के पैरा 8 में सहकारी समितियों और वास्तविक उपयोक्ताओं के संघों को अपने सदस्यों की ओर से खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत भाल आयात करने की अनुमति देते हुए व्यवस्था की गई है।

2. इस संबन्ध में शाप्त हुए आयावेदनों के आधार पर यह निष्ठाय किया गया है कि लशु-पैमाना लेन्डों (कुटीर सहित) के वास्तविक उपयोक्ताओं के ऐसे संघ/सहकारी समितियों जिन्होंने अपने निजी सदस्यों को देश में निर्मित नकली रेमम के धारे के वितरण के लिए वस्त्र आयुक्त द्वारा लागू योजना में आय लिया है वे सेलुलोजीय/पैर-सेलुलोजीय रेजे/धारे की उन किसी के आयात कर सकते हैं जो आयात-नीति 1978-79

में खुले सामान्य लाइसेंस के अनुरूप हैं, ये आयात सार्वजनिक सूचना सं. 31 आई टी सी (पी एन)/78 विनांक 15 मई, 1978 के उस भाग में निर्धारित विस्तृत कियाविधि का अनुसरण किए बिना ही किए जा सकते हैं जो इस प्रकार हैः—

“सम्बद्ध सहकारी समिति या सभ विभिन्न राज्यों/संघ आसित क्षेत्रों में स्थित अपने सदस्यों के सबन्ध में अलग से आवेदन देने सकते हैं, यह परेशित कर सकते हैं, साथपत्र खोल भक्ते हैं, सीमाशुल्क विभाग के माध्यम से माल का सचालन या निकासी कर सकते हैं। सीमाशुल्क विभाग के माध्यम से धन परेशित करते समय सम्बद्ध सहकारी समिति संघ परिषिष्ट 13 में प्रदर्शित प्रत्यक्ष “क” के साथ प्रविष्ट विल, सदस्यों (धारा लेने वालों) के ब्यौरे, उनके नाम और पते, विनिर्मित अंतिम उत्पाद, प्रत्येक सदस्य के लिए माल का मदबार मूल्य और क्रमांक: कुल मूल्य देने हुए एक विवरणपत्र संलग्न करेगी।” प्रायोदय ऐसा संघ या सहकारी समिति इस प्रकार कार्य कर सकती है जैसे कि आयात-नीति 1978-79 के परिषिष्ट 10 के उद्देश्य के लिए वह स्वयं एक धारा वास्तविक उपयोक्ता हो।

3. सीमाशुल्क विभाग के माध्यम से उपर्युक्त अनुसार आयातित माल की निकासी करते समय सम्बद्ध सहकारी समिति/संघ सीमा-शुल्क प्राप्ति-कार्यालयों को वस्त्र आयुक्त से या तो एक प्रमाणपत्र या एक पत्र इस संबन्ध में प्रमुख करेगा कि उक्त आयातक अपने निजी सदस्यों को देसी धारे के वितरण की उक्त योजना में आय लेता रहा है।

हस्तालिक
का० वै० शेषांत्रि, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

**MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &
COOPERATION**

(Department of Commerce)

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 41—ITC(PN)/78

New Delhi, the 22nd June, 1978

Subject : Import of Cellulosic/Non-Cellulosic fibres/yarns permissible under Open General Licence, by Cooperative Societies/Associations of Actual Users.

No. IPC/63/36/78.—Attention is invited to the Department of Commerce Public Notice No. 31-ITC(PN)/78, dated the 15th May, 1978 in which a provision has been made in para 8 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1978-79 permitting Cooperative Societies and Associations of Actual Users to import goods under Open General Licence on behalf of their members.

2. Based on representations received in this regard, it has been decided that such Associations/Cooperative Societies of Actual Users in the small scale (including cottage) sectors, as have participated in the scheme administered by the Textile Commission for the distribution of indigenously made art silk yarn to their own members, may effect imports of those varieties of cellulosic/non-cellulosic fibres/yarn as are under Open General Licence in the Import Policy, 1978-79, without following the detailed as procedure laid down in that portion of

Public Notice No. 31-ITC(PN)/78, dated the 15th May, 1978 which reads :—

"The concerned Cooperative Society or Association may place orders, effect remittances, open Letters of Credit, arrange movement or clear the goods through the Customs separately in respect of its members situated in different States/Union Territories. While effecting remittance/clearing the goods through the Customs, the concerned Cooperative Society/Association shall attach to the form 'A' appearing in Appendix 13/the Bill of Entry, a statement giving the particulars of the (participating) members, their names and addresses, the end-products manufactured, the item-wise value of goods for each member and the respective aggregate values."

i.e., such Association or Cooperative Society may act as if it were itself an eligible Actual User for the purposes of Appendix 10 of the Import Policy, 1978-79.

3. While clearing the goods imported as above through the Customs, the concerned Cooperative Society/Association shall furnish to the customs authorities either the certificate or a letter from the Textile Commissioner to the effect that the said importer has been participating in the said scheme of distribution of indigenous yarn to its own members.

[No. IPC/63/36/78]

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports & Exports